इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक [illegible]प १५०(१५०)

ग्रंथ नाम [illegible]ध पदे.

विषय मराठी काव्य.

Mandal, Dhule and the Rajavade Sanshodhan Mandal, Dhule. "Jain project of Jeevan Pragnya, Mumbai"

गीता - अध्याय [illegible] मराठीत ओवी
व श्लोक अ[illegible] दि मराठीत दोहरा.
असा [illegible] कागद

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

॥श्रीरामचद्रसमर्थ 29/9

॥रामप्रतापमे क्याकहुमाई॥दिनन
॥को दिन्हि मुगुतक माई॥१॥गाधि
॥ज को मखर छन किन्हो॥बधके
॥ताटिक पातक खाई॥राम॥१॥
॥ज्याके पदरजसे पाखानको॥ल
॥छमि सिमप[illegible]ई॥२॥राम
॥हरधनुके [illegible]तापरनी॥ऐ
॥सि ज्याकि[illegible]राई॥राम॥
॥बालि बधके [illegible]वसनकी॥नि
॥ताब्रि खबलि[illegible]ई॥राम॥४॥
॥सिंधुजलपर पाखानतेर॥ऐसि
॥ज्याकि नाम बडाई॥राम॥५॥मु
॥क कियो सरब धके दशमुख॥
॥कियो बिभिखन लंकाथाई॥राम
॥६॥सेवक ज्याको मारुति ऐसो॥
॥ज्याकि बल सिमान पाई॥राम॥
॥७॥सिमा सागर बल नगज[illegible]

Courtesy: The Raja Dinkar Kelkar Sanshodhan Mandal, Pune and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.
"Joint Project of the Raja Dinkar Kelkar Sanshodhan Mandal, Pune and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(2)

॥लक्ष्मण शत्रुघ्न भरथ भाई॥राम॥
॥ऐसो दिना नाथ दया घन॥ना रा
॥यण नंदन को सोई॥राम॥७॥छ॥
॥रामरसायन सेवन करकर॥ध॥
॥शत्रु रिपु रोग तुज मनु ज्या ग्रासि
॥ले॥शोध गुरुद्वारे वैद्य लो कर॥रा
॥म॥१॥ [illegible] ने येणे सितल
॥जाला॥पा [illegible] स्वामि शंक
॥राम॥२॥स [illegible] या अनुपा
॥ने॥देहपर्व [illegible] नकर॥राम॥३
॥नारायण सुत [illegible] कु संगहि॥या
॥तेदुहु निजोडावे कर॥राम॥४॥छ॥
॥रामकथा रस पि पि पि पि॥ध॥राम
॥कथारस सेविल तुज रि॥काळक
॥रिल मग जि जि जि जि॥राम॥१॥
॥संता चि संगति जाय जन नारि॥व्य
॥र्थ चि मम ता चि चि चि चि॥राम॥२॥

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and Indira Ashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.
"Joint Project of

(3)

॥ मध्व मुनेश्वर सागत से गुन ॥ दुस
॥ जनाते भि भि भि भि ॥ राम ॥ ३ ॥ ४ ॥
॥ सत्वर सारा पारक्षः सत्वर सारा पारक्ष
॥ ५ ॥ दक्षतु पक्ष पाति बाअमुचा ॥ स्या
॥ गुनको करुणा लक्ष ॥ सत्व ॥ १ ॥ तव से
॥ तलक्षण वर्णी तिक्षण क्षण ॥ संन्मु
॥ निजनलक्षानुलक्ष ॥ सत्व ॥ २ ॥ धर्म
॥ निरिक्षण करि [illegible] ॥ सदयज्ञ
॥ सातुश्रीब [illegible] ॥ ३ ॥ अक्षय
॥ ४ ॥ सुमणे रुक्षण [illegible] नारायण सुत
॥ ५ ॥ चित्त रक्ष ॥ स [illegible] ॥ ६ ॥ मनुज्या
॥ बलानुजा [illegible] ॥ जोदनुज्यां
॥ लाजा ळिपाळि [illegible] ॥ स्वात्मास्तु तिगाया
॥ मनु ॥ १ ॥ स्वरूपे जो संन्मार्गी योजि
॥ मुर्खाअउगाया ॥ मनु ॥ २ ॥ कमळा
॥ सनमनतनुजोज्याचा ॥ यासनस
॥ गाया ॥ मनु ॥ ३ ॥ नारायण तनयाच
॥ हरिजो ॥ बहुअघरोगाया ॥ मन
॥ ४ ॥ ५ ॥

The Rajawada Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.
Joint Project of

।मनुष्यामाधवासुगारे॥१॥नरतनुपाहि
।नाहीस्थाई॥लहकटालीलरारे॥१॥मनु॥
॥रतहोयासंगाथोपाही॥मखकटेनीगु
॥रुपाईरे॥थामनु॥भुलेलासीनीसयाचे
॥ठाई॥परीपडसीआपाईरे॥२॥मनु॥
॥नारायेनतनयाव[illegible]ई॥सखाकर
॥शेषशाही॥[illegible]॥४॥४॥

Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥प्रानीयाभजपांडुरंगा॥१॥धरुनीस
॥जनसंगनीरंतर॥करुनीयाशुध्धओ
॥तरंगारे॥१॥प्रानी॥भगवंनामेनौकेत
॥बसुपीया॥तरभवसीधुचेतरंगारे॥२
॥नभमनेतैसेभमतोजवळी॥कसु॥

।।सिभासुनीकुरंगारे।।आ।।नारायनतन
।।यासद्गुरुचा।।मनोरतीकुरंगारे।।आ।।
।।रामाकृष्णगोविंदागोपाळारे।वेळोवेळा
।।ऐसाचत्रमनोचाळारे।।ध।।वेक्षधनुस
।।पात्रीदीधल्यादान।।ग्रामकोटीआराम
।।रचलेनानारे।।यापैरानीजोधर्मतोची।।
।।सानारे।।नामस[illegible]कीतेकलीकाळा
।।रे।।१।।मंगलना[illegible]कोटीकेलीरेदान
।।धर्मदीकुल्ये[illegible]रे।।मोमयागा
।।दीककर्मसिधा[illegible]ऐहा आनीहेना
।।मवाचावळीरे।।थायाचीमंत्रेनारदो
।।दीगातीगातीरे।।याचामहीमानेलोतो
।।मुळपानी।।नामापासीकैवल्यमोक्ष
।।खानीरे।।आवेमातोआनंततनयवा
।।रे।।आ।।छ।।छ।।

Shri Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.
"Joint Project of ...

(७) ॥श्री॥

॥पांडवनिज धामा गेलियावरी॥
॥कलजुटिलिपश्चिमासारि॥रा
॥जापरिक्षितिराज्य करि॥इस्त
॥नापुरिलेसमई॥१॥अजिम
॥न्युउतरापति॥जयाचेपोटिज
॥मेलापरि॥राज्यामा
॥जिपरमा॥ाडवाएसेचा
॥लविति॥र॥ापुन्यहाप
॥रायए॥॥करितसेदेव
॥भजन॥कोन्हेयेकेदिवसि
॥पारधिलागुण॥राजापरिक्षि
॥तिचालिला॥३॥मागेयतसे
॥दलभार॥तुरगीबेसलारप
॥वर॥शोधितावनघोराजन॥

Mandal, Phule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan
"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai"

॥ मग सुदर देखिला ॥ ६ ॥ राजा
॥ पाठिसिलागला ॥ मग परम वे
॥ गीउडाला ॥ राय तुरंग धाविन
॥ ला ॥ दल आरराहिला दुरतेव्हा
॥ ५ ॥ माहापर्वताचे दरितुन ॥ म
॥ दनमगगेलानिघुन ॥ भोता
॥ पाहिअ[illegible] ऋषि आश्रम
॥ देखिला ॥ ६ [illegible] आश्रमाआत
॥ सोनकरषि [illegible] ध्यानस्त ॥ त
॥ यासिपरिक्षीतपुसत ॥ मग गेला
॥ हिवाट ॥ ७ ॥ तवतोसमाधिसुख
॥ तलिन ॥ नबोलियकहिवचन ॥
॥ राजाम्हणेकेसाहाब्राह्मण ॥ गर्व
॥ कडोनिनबोलेचि ॥ ८ ॥ मत्यस
॥ र्पहोलापडला ॥ रायेऋषिज

Courtesy of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(४)

॥ गला घोतला ॥ तच समाधि
॥ सुख तलिन जाला ॥ राजा गेला
॥ लेथोनि ॥ ७ ॥ सर्प शरिरि घान
॥ ता ॥ दुर्गधि उठिलि वनात ॥ मु
॥ ग्यासो बत्ति आगास ॥ रुषिसा
॥ वधन होयनि ॥ ७ ॥ रुषिजाति
॥ आश्रमाव [illegible] ठालिति म
॥ तसर्पदेख [illegible] तयाचापुत्रश्र
॥ गिस्रणेनि [illegible] आनावयागे
॥ लासे ॥ ११ ॥ [illegible] फळघेउनिय
॥ ता ॥ रुषिस्याप्रतवातसागत ॥ तु
॥ सापिताबैसलाध्यानस्त ॥ सर्प
॥ घानतयाआगला ॥ १२ ॥ तवता
॥ परमवर्मी [illegible] आश्रमासिआला
॥ मस्यसर्पमलादेखिला ॥ रुषि

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

॥पुत्र कोपला॥ श्राप दिधला दा
॥रुण॥ १२ ज्यानें सर्प गला घातला
॥असिला॥ १३ याला काल तक्षि
॥कउं खिला॥ सातवा दिवसात मरे
॥ला॥ प्राण जाईल ताकाल॥ १३
॥बाप नचुके [illegible] नारा॥ आपि
॥लातो नृप [illegible] वध होउनि
॥रुषिश्वर॥ [illegible] आसिदेखि
॥ले॥ १४ [illegible] सकल समाचा-
॥रा॥ आपिलेला [illegible] न्य कुमर॥
॥मग तो समाधि सिलर ईश्वर॥
॥पुढे पुत्रासि काय बोलले॥ १५
॥घरा जा हो वो खटे केले॥ राया
॥परिक्षिति कसि काय आपिले॥
॥परिक्षिति राजा ऐसा झला॥

Raswade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai
Work Project of the Government of Maharashtra

(10)

॥ पाइवमेलियावेरुडाउर
॥ लौअनर्थ पैथोरकेला ॥
॥ राजाश्रापिलापरिक्षिति ॥
॥ आमुचेपाळनरपतिपाई ॥
॥ मस्यसर्पगलाघातिलाहोते
॥ काईवेर[illegible]यमाकेलिका
॥ नाहिज[illegible]वलाहिरा
॥ यासिरया[illegible]पुत्रेसिष्य
॥ पारविलेरा[illegible]सराहोस
॥ निदेखिलाप्रणेरायातुज
॥ मरनआले ॥ सातादिवसात
॥ सागपा ॥ ब्राह्मणगेलेसागुरु
॥ राजाउटिलाहुडबडुनसु

(10)

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(112)

॥ र्ख ना येउ न पडे धरणि ॥ सर्प
॥ सर्पमणी नि हाक फोडि ॥ म
॥ णहा नेरदे हे वाल्ला वाल्ला
॥ पैहा काल सर्प आला आला ॥
॥ मज साधु [illegible] या घाला ॥ ते
॥ थे प्रगटले [illegible] ॥ [illegible]
॥ [illegible] धरले [illegible] नारदा वे ॥ म
॥ णे स्वामि [illegible] प्रगटले ॥ सात
॥ दिवसात मरण आले ॥ सार्थ
॥ कलेपाहिजे ॥ सार्थक काय ए
॥ सकुरावे ॥ सात दिवसात म
॥ रावे ॥ कोने उपाय तरावे ॥
॥ सामाल बला हे नारदा ॥

Jain Vishwabharati Institute, Mumbai
Jain project of the Rajasthan Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(12)

॥ नारद बोले ये कवचन ॥
॥ पुर्वी सिजारव ठवांग जान ॥
॥ यवन त्रिरात्र साधन ॥ इ रिष
॥ दपुर्ण पावला से ॥ तुज सात
॥ दिवस परियंत ॥ आहे अव
॥ कासमा नि [illegible] ॥ शुक बोला
॥ उ निर्गरि [illegible] ॥ भगवत श्र
॥ वण करि ॥ [illegible] गेले सा मुन
॥ राय केले [illegible] ॥ शुक
॥ उचरा हिले ये उ ना ॥ धरिले चरण
॥ ह्या राजेंद्र ॥ स्वामि शुक व्यासनंद
॥ न ॥ आता तोडि संसार बंधन ॥ पुढ
॥ ति मि टि घालु नच रण ॥ आश्रु नयनी
॥ आनिले ॥ तुसे मन ना हिरे स्थिर ॥

Joint Owner of the Peshwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥ कैसा हो सि अवणी सादर ॥ परिक्षि
॥ तिराजेंद्र स्थळ ॥ अवणार्थ विचारि
॥ ति ॥ गंगीरथि चेउ न्यतिरि ॥ बे
॥ सत्यारुषेश्वरा माहारि ॥ मानस
॥ रोवरा चे तिरि ॥ राजहंस विराजिति
॥ गंगिरथि चे मंध्य बेटावरि ॥ अ
॥ ग्नीकुंड निर्मी[illegible]डवरि ॥ तया
॥ अग्निचे ह[illegible] ॥ लोहधर
॥ निर्मीले अस[illegible]त्लोहधरात
॥ येकांति ॥ [illegible]क्षिति दोघे साद
॥ रबैसति ॥ शुकमनो धरणीपति ॥
॥ नकरिखति भवभयाचि ॥ दशा
॥ प्रस्कंद भागवत ॥ शुकयोगेंद्र
॥ सांगत ॥ राजा परिक्षितिचे कत
॥ क्षांत न होये माहा दोषाचे ॥ राज
॥ बैसोनि अवणी ॥ प्रधान ज्ञानि

Publication of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Late Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

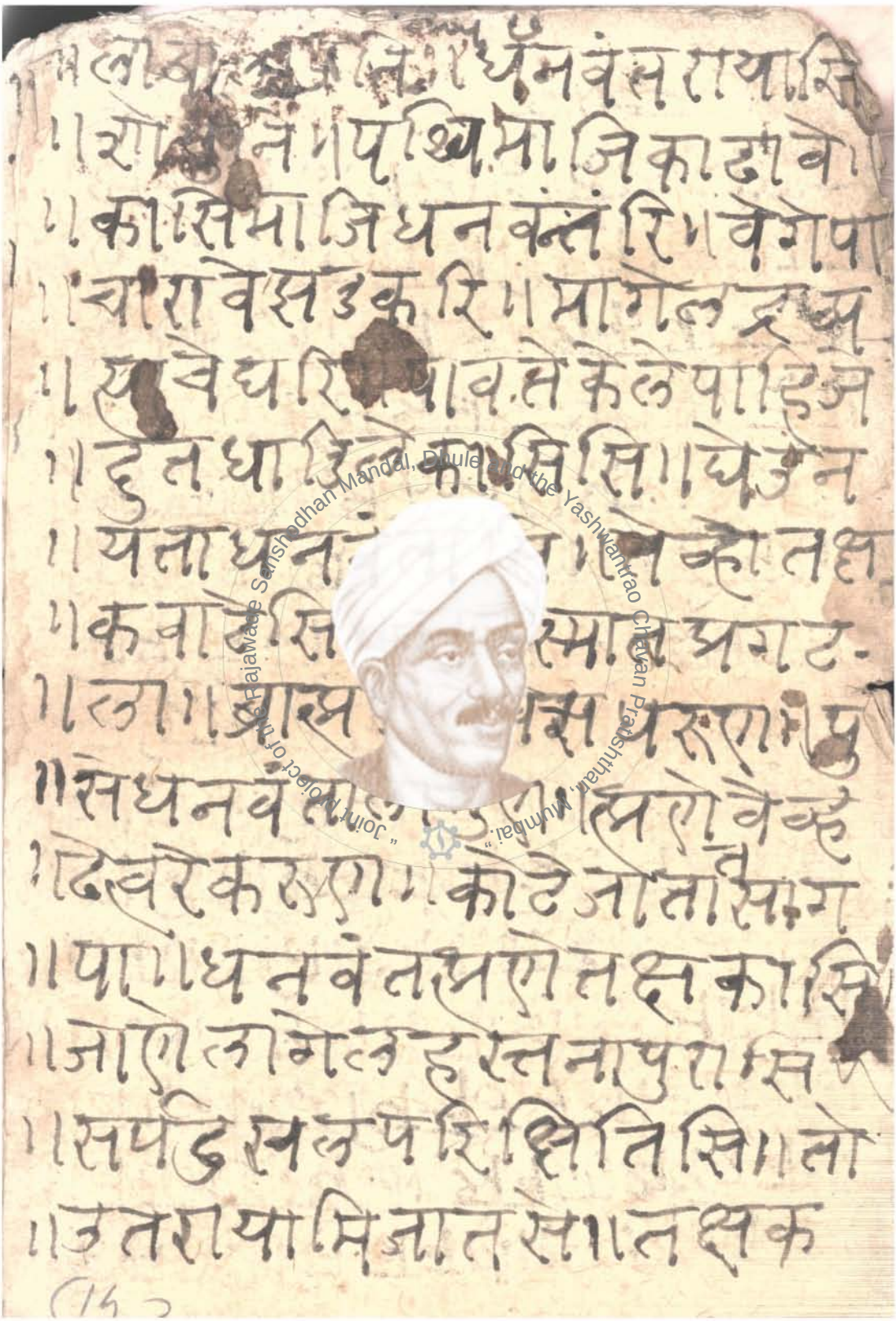

Shrimant Rajaji Vasudev Sansthadhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.
"Joint Project of the"

॥ मणेधंनवलासि ॥ उंखुजातो
॥ परिक्षितिसि ॥ तुझिमंत्रविद्या
॥ आहे कैसि ॥ तिमजपासिसाग
॥ वे ॥ यकसरोवरहोताभरला ॥
॥ तयाचेतिवटवृक्षदेखिला ॥ वर
॥ ब्राम्हदिसिला ॥ पन तोडितो
॥ वडाचेत [illegible] विभ्यासुन
॥ वड फोडिल [illegible] हुन ॥ ताको
॥ ळकोळसम [illegible] ॥ ब्राह्मणास
॥ हितनस्मकळा ॥ धंनेवलाने
॥ देखेसुन ॥ सरोवराचेउदक
॥ मंत्रुन ॥ सिंपतांचवडउडुन
॥ मागुतातेसाचिविस्तारिला ॥
॥ वर ब्राम्हणपत्रतोडितो ॥ ताहि
॥ कतयाचेसत्र ॥ तुझामस

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

भ॥आहे कोटे॥तो मज पासि सांगा
॥वा॥जेथ प्रासि द्रुस्टि न पडे॥
॥तेथ सर्प डुंख घडे॥ता काळ
॥ग्रहरि पडे॥प्राण जाईल ता को
॥ळे॥तक्षक ने विष्यासुन॥डुंखि
॥ले पाटि सिज॥जालि जालि
॥तयाचे भाउ॥पुनें सांगला
॥हस्तनापुरा॥एज्ञाति राजद
॥र्शना॥होईल॥बद्र फळ॥
॥तक्षक तयाते पुन॥डुंखावया
॥चालिला असे॥बाप एो बद्री फळ
॥पुढे टेविले॥तितक्याल श्रीभाग
॥वत समास्प जाले॥रायशुकाचेच
॥एवं दिले॥पुजन केले प्रिति

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

।।नि।।शोडेराउपचारेकरुणी।।
।।विनविलाब्राम्हणि।।रायबोर
।।घेउनि।।तोडोमोसिघालावे।।
।।सब्बोरतोडोतघालिलेनतस
।।केविशावरूपधरिले।।ह्रुदेर
।।होतासब्बरि[illegible]गुप्तजालाते
।।समई।।ज[illegible]तिलयावे
।।प्राए।।प्रस्त[illegible]ह्रुकाचे
।।रुए।।ह्रुदे[illegible]नामस्मरुए।।
।।अतरिध्यानहरिचे।।प्राएजा
।।तालल्सुए।।परिक्षितिबे
।।सर्विलाभिमानि।।साहिसंजनी
।।लागुनि।।कैलिपेटवानिराया
।।ची।।गावगाविचप्रजालोव

Joint project of the Prajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(18)

॥ रियाकारएकसिलिरोकाज
॥ नोजयाजनिरोकाप्रएनि
॥ छत्र धरियेले॥ मगतोजनोज
॥ याकोपला॥ सकलिकसर्पाचा
॥ संहारकेला॥ तसकइद्राआउ
॥ लपाला॥ ॥ समईनय
॥ निपाहा स्तकरषि॥
॥ लक्षकनेय ना॥ ॥
॥ सुनस्मरण॥ लायासि॥ स
॥ र्पबाधानहोयविपरिक्षिति
॥ राजाएसाकलाभप्राएगलिया
॥ मोक्षपावला॥ श्रीधरस्वामीश्रोति
॥ याला॥ सावधहोयहरिचिंति
॥ नि॥ ॥ ॥

॥यागीसत्वेबरायुक्त॥ सब्दुद्धिछेभसराय॥१०॥

॥दोहरा॥

॥बुरेकर्मनिदेनहीं॥भलेरेंनदिलागि॥बुधिवं
॥तसदेहबिनायकहेसायकूयाग॥१०॥ दे

॥चौपी॥

॥असत्कर्मीचाद्वेषकरिगि सत्कर्मिअसत्कनधरी॥
॥यायागीयाससवगुणनिष्ठाचरिगतोप्रज्ञावंतनि:
॥सदेहकेये॥१०॥ श्लोक॥
॥नहिदेहभृताशक्यं [illegible] त्यक्तुमशेषतः॥
॥यस्तुकर्मफलत्या [illegible] सत्यभिधीयते॥११॥

॥देहधारीनकसत्क [illegible] सर्वकर्महीगकर्मा
॥र्पणेफलत्यागी॥ [illegible] पकूबोलिजे॥११॥

॥दोहरा॥

॥देहघंतजेकर्मदे॥नाहिछाडजाहि॥कर्मफलन
॥कोजोतजे॥सोहिग्यानीमाहि॥११॥चौपी॥
॥पुरुषासीअवघीकर्मकरणे॥अत्रेस्यकासम
॥स्तकर्मयागीतोहिअयोग्य॥याकारणेजो
॥कर्मफलत्याकरीयोगतोयागी
॥बोलीजे॥११॥

Shri Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. Print photo

२ (२०२) ॥अध्याय १८॥

॥श्लोक॥

॥एतान्यपि तु कर्माणि संगं त्यक्त्वा फलानि च॥ कर्तव्यानीति मे पार्थ निश्चितं मतमुत्तमं॥६॥

॥वामन॥

॥हे ही मी पण टाकूनि॥ फळ्या मदर्पणे करूनि करणे॥

॥मासे॥ मत्तनिश्चित उत्तम॥६॥

॥टीका॥

॥फल छोडे संग दे[illegible] चित्त[illegible]॥ अर्जुनय

॥कर मेरो जु मत॥ नि[illegible]ई॥६॥

॥ल एणे निफल सं[illegible] नियकर्म आचरो नि॥

॥हे निश्चित जानतु मानि॥ ये उत्तम मत मानल पार्थो॥६॥

॥वामन॥

॥स्वरूप नियकर्मा चा[illegible]

॥श्लोक॥

॥नियतस्य तु संन्यासः कर्मणो नोपपद्यते॥ मोहात्तस्य

॥परित्यागस्तामसः परिकीर्तितः॥७॥

॥वामन॥

॥स्वरूप नियकर्मा चा॥ त्याग शास्त्रे घडचिना॥

Digitized by the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan Mumbai

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com